बल्लोप ग्राम, बूंदी में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

मोहताड़ा, भोपा जो गुलाब की नगरी है, यहां मैं जब भी आता हूं, मुझे गुलाब ही गुलाब नजर आते हैं, यहाँ पधारे गांव के मेरे सभी भाइयों और बहनों और विशेष रूप से बड़ी संख्या में आई माताओं को मैं प्रणाम करता हूं। मेरा इस गांव से बहुत पुराना सम्बन्ध है। मैं जब भी इस पंचायत में आता हूं तो यहां के लोगों में गुलाब जैसी खुशबू मुझे नजर आती है। यहां की महिलाओं के चेहरे मैं देखता हूं, वे हमेशा मेहनत करती हैं, मुस्कराती रहती हैं। चाहे सर्द हवा हो, तेज गर्मी हो, उसके बाद भी खेत-खलिहान में मेहनत करके वे अपने परिवार को पालने का काम करती हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी की विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मोदी जी की एक गाड़ी आपके दरवाजे पर आई है।

यह यात्रा इसलिए आई है कि समाज के जो वंचित लोग हैं, गरीब लोग हैं, साधनहीन लोग हैं, उनको मोदी जी की योजनाओं का लाभ मिले और उनके जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हो। 19 तरह की योजनायें हैं, उन योजनाओं का लाभ अभी तक पूर्ण रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आपके गांव में यह मोदी गारंटी यात्रा गाड़ी आई है। 19 योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिले। इस यात्रा, इस कैम्प में सबका रजिस्ट्रेशन भी हो, उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान भी हो और जो योजनाओं से वंचित रह गए हैं, उनको इन योजनाओं का लाभ भी मिले।

मेरा पिछले दिनों कई यात्राओं में जाना हुआ। मैं देख रहा हूं कि यात्राओं को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह है। माननीय प्रधान मंत्री जी का मानना है कि अगर भारत को विकसित बनाना है, भारत को आगे बढ़ाना है, भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, तो हमें महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बन के तहत आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसीलिए इन योजनाओं के अंदर, विशेष रूप से महिलाओं को प्रधान मानकर ही ये योजनायें बनाई गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से हर गरीब को पक्का मकान मिले, जिन लोगों को मकान नहीं मिला है, सरकार ने निर्णय किया है कि आने वाले समय के अंदर उन सब लोगों को पक्का मकान मिलेगा।

सभी किसान भाइयों को किसान सम्मान निधि का पैसा मिले, जो सम्मान निधि से वंचित रह गए हैं, उनका यहां रजिस्ट्रेशन हो। आने वाले समय में केन्द्र सरकार राज्य सरकार को निधि देगी तो बारह हजार रुपये

किसान भाइयों को मिलेगा। हर घर के अंदर उज्ज्वला गैस कनेक्शन हो, उज्ज्वला गैस कनेक्शन के अंदर आपको साढ़े चार सौ रुपये का सिलेंडर मिलेगा। मोदी जी ने गारंटी दी थी, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने 1 जनवरी, 2024 से साढ़े चार सौ रुपये का गैस सिलेंडर कर दिया। मोदी जी ने जो गारंटी दी है, उन सारी गारंटियों को पूरा किया जाएगा।

उस गारंटी के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जाएगा। इसमें समय लग सकता है लेकिन प्रधानमंत्री की सोच है कि जब तक हम समाज के अंतिम व्यक्ति को नहीं बदलेंगे, विकसित भारत का सपना पूरा नहीं कर सकते। विकसित भारत का सपना पूरा करना होगा, उनकी जिन्दगी को बेहतर करना होगा। सभी को सामूहिकता के साथ विकसित भारत बनाने के सपने के लिए मिलकर काम करना होगा।

अभी कुछ योजनाओं का रजिस्ट्रेशन यहां होगा, आपको लगे कि ये कमियां हैं, इसमें और परिवर्तन करना है, आने वाले समय के अंदर मैं दोबारा आपके बीच आऊंगा, जिला प्रशासन आपके बीच आएगा। हर वंचित व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले, इस गारंटी के साथ यहां आएंगे। मैंने अधिकारियों से कहा है, एक ऐसी कार्य योजना बनाओ जैसी प्रधानमंत्री जी ने बनायी है। आकांक्षी जिला योजना, हम आकांक्षी गांव योजना बनाएं, जो गांव विकास में पीछे रह गये हैं, एक गांव विकास में बहुत आगे हो गया है और एक गांव विकास में पीछे रह गया है।

एक गांव में सारे काम हो गए हैं, प्रधान जी ने सारा काम उसी गांव में करा दिया, सरपंच साहब ने भी उसी गांव में काम करा दिया। एक गांव के अंदर कुछ भी नहीं हुआ, आने वाले समय के अंदर मेरी जिम्मेदारी है कि जो गांव सबसे पिछड़ा है, उस गांव को सबसे आगे वाले के बराबर करने का काम हमें करना है। वहां मूलभूत सुविधाएं मौजूद हों, उस गांव के अंदर सारी सुविधाएं मिले। लोगों को पीने का पानी मिले, रोड अच्छी हो, नालियां हों, सामुदायिक भवन हो, चिकित्सा की व्यवस्था हो। सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से गांव के अंदर महिलाएं कैसे आत्मनिर्भर बन सकती हैं, उसके लिए क्या काम कर सकते हैं।

मैं यहां की सभी महिलाओं को एक काम देकर जा रहा हूं। आप यहां गुलाब का गुलकंद बनाते हैं, जो गुलाब का गुलकंद बनाएंगे, उसको खरीदने के लिए मैं किसी कंपनी से कह दूंगा कि गुलाब का गुलकंद पूरा का पूरा खरीदे। इससे गांव में हर महिला को काम मिलेगा या नहीं मिलेगा? जो महिलाएं ये काम करना चाहती हैं, उनके लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप बना देंगे।

बैंक से उनको फाइनेंस दिला देंगे, नहीं तो किसी कंपनी से फाइनेंस दिला देंगे, ताकि कच्चा माल बनाने का काम करें, क्योंकि गुलाब हमारे पास है। खरीदने का काम वह करेगी, हर महिला को सौ डेढ़ सौ रूपये की कमाई होगी। बड़ी कंपनी से हम कहेंगे कि सारा गुलकंद खरीदो। आपने मुझे लोक सभा स्पीकर बनाया है, तो इतनी ताकत तो मेरी है ही। मै किसी कंपनी से कहूंगा कि तुम्हें इन्हीं का ही गुलकंद खरीदना है, जितना बना है, वह सब खरीदना है, तो वह कंपनी खरीदेगी। आप मुझे चार आदमी बता दीजिए, जो इस काम को करेंगे। वे महिलाओं को जोड़ते जाएं और एक नया मॉडल खड़ा कर दें। लिज्जत पापड़ की तरह गुलाब का गुलकंद बनाने का काम शुरू कर देते हैं। आप बोलिए कि क्या आप यह करना चाहते हैं?

आपको डिब्बा आदि कुछ नहीं लाना है। आपको केवल गुलकंद बनाना है। डिब्बा, पैकिंग, मशीन लगाने का काम कंपनी करेगी। आपको कच्चा गुलकंद बनाना है और बनाकर उनको देना है। पैकिंग का काम वे करेंगे। ऐसे ही हम छोटे-छोटे काम शुरू करके महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। यह गांव कोटा से जुड़ा हुआ है। कोटा से जुड़ा होने के कारण यहां हम बहुत सारे प्रॉडक्ट्स बना सकते हैं और उनको खरीदने का काम कंपनियां करेंगी और बेचने का काम भी वे ही करेंगी। आप यदि गुलकंद बना भी लेंगे, तो उसे खरीदेगा कौन? ये दिक्कत आएगी। गुलकंद का डिब्बा कौन लाएगा? पैकिंग कौन करेगा? अत: आप गुलकंद बनाने का काम करें, पैकिंग आदि का काम कंपनी करेगी और हम लोग इस गांव में एक नया मॉडल खड़ा कर देंगे। धीरे-धीरे आस-पास के गांवों में ऐसा समय आएगा जब सभी गांव के लोग गुलाब का फूल उगाने लगेंगे और यह जगह एक बड़ी मंडी बन जाएगी।

इस तरीके से हमें आर्थिक स्वालंबन करना है। हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो जाए, वह घर बैठकर काम करे और इसके लिए आप मिलकर सामूहिकता से काम करेंगे। यहां पर आपको जिस तरह की आवश्यकता है, आप मुझे बताएं, हम उन सारी कमियों को पूरा करेंगे।

दो साल लग सकते हैं, लेकिन कोई कमी नहीं रहेगी। अभी जब मैं आया था, तो रास्ते में रोड अच्छी नहीं थी। आने वाले समय में वहां से गांव तक सीसी रोड बनवा दी जाएगी। आपको केवल एक काम करना पड़ेगा। मैं एक बात बताना चाहता हूं, बुरा मत मानना। रास्ते में लोगों ने रोड पर इतना कब्जा कर रखा था कि रोड छोटी से छोटी होती चली जा रही थी। आपको गांव में एकता बनानी होगी। आप कब्जा तोड़ते जाएं और रोड को चौड़ा बना दीजिए, ताकि दो गाड़ियां आ जा सकें। क्या आप यह कर पाएंगे? इसका फायदा गांव के

लोगों को ही मिलेगा। रोड चौड़ी होने से आपके गांव में कौन ज्यादा आएगा? आपके अपने लोग ही ज्यादा आएंगे। एक गांव में सामुदायिक भवन के लिए मैंने पैसा दिया। गांव में किसी ने जगह ही नहीं दी। दो-तीन साल हो गए, सामुदायिक भवन बन ही नहीं पाया। हॉस्पिटल के लिए जमीन दी, लेकिन अभी तक हॉस्पिटल ही नहीं बन पाया। यहां का स्कूल मैंने देखा है, जो बढ़िया है। स्कूल में और कमरे बनाए जाएंगे। आप खुलकर अपनी बात बताएं। जो कमी होगी, उसे ठीक करेंगे। गलती तो ठीक करनी चाहिए। बी.डी.ओ. साहब और प्रधान जी आप दोनों आइए। आप जल्दी-जल्दी सभी गाँवों में घोषणा कर दीजिए।

बगसपुरा, तितरवारा, नोताड़ा, भोपट यहां के सभी लोग मिलकर बैठें। मैं जो कह रहा हूं आप सभी सुनते जाइए। सारा गाँव बैठकर एक लिस्ट बनाइए कि ये काम हमें कराने हैं। आप वह लिस्ट बनाकर हमें दे दीजिए। मैं दो-तीन साल में सब काम करा दूंगा। मैं कोई काम बाकी नहीं छोड़ूंगा। आप मुझे एक लिस्ट बनाकर दीजिए। टुकड़ों में मत दीजिए। आप किसी से मत कहिए। आप गाँव की पंचायत कीजिए। पंचायत की बैठक में पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे काम को तय कीजिए। मैं जो कह रहा हूं, उसको सुनिए। आप डिबेट मत कीजिए। आप पंचायत में तय कर लीजिए कि मुझे क्या-क्या काम देने हैं। आप मुझे एक लिस्ट बनाकर दे दीजिए। मैं सब काम करा दूंगा।

आप कोटा आ जाना, मैं आपको बता दूंगा कि ये काम कब-कब होंगे। ठीक है। मेरी गारंटी है कि पांच सालों के भीतर इस गांव को विकसित कर देंगे। आप यह मेरे ऊपर छोड़ दीजिए। ऐसे मत दीजिए। मुझे पता नहीं है। मेरा माइंड कंप्यूटर नहीं है। मैं सारे काम कर दूंगा। आप दे दीजिए। अब सरकार बन गई है, सब कुछ हो जाएगा। ठीक है।

मैंने जो बात कही है, आप उसको सुनिए। विकास का काम होता रहेगा, सबसे पहले गांव को आत्मनिर्भर बनाना है। आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांव के अंदर योजना बनाइए कि हम कैसे गांव को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। जो-जो विकास के काम हैं, अलग-अलग कागज मत दो। हर गांव में एक छोटी पंचायत करिए। उसमें एक लिस्ट बनाइए। एक या दो साल में काम नहीं हो सकते हैं, कई कामों को तीन साल लगेंगे, दो या एक साल भी लग सकता है, लेकिन पंचवर्षीय कार्य योजना के तहत हम सभी गांवों का विकास कर देंगे। आप निश्चिंत रहिए।

आपको जिन-जिन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है, आप उसमें रजिस्ट्रेशन कराइए। आप जिन योजनाओं के पात्र नहीं हैं, उसके लिए क्या-क्या पात्रता है, उसकी जानकारी लीजिए।

गांव के पांच-पांच लोग मिलकर सभी योजनाओं को ठीक से समझिए। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कैसे मिलता है, उसकी पात्रता क्या है, सब कुछ पढ़िए। अगर आपने मोटर साइकिल लिख दिया, तो आपको प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उसकी पात्रता क्या है, उस हिसाब से उस फार्म को भरिए, अन्यथा वह खारिज हो जाएगा। फिर सरपंच साहब से लड़ने से काम नहीं चलेगा। पांच-पांच आदमी मिलकर योजनाओं को समझिए, फिर फार्म भरिए। आप कहें कि वह तो समझदार है, उन्होंने ठीक से फार्म भरा है। अगर किसी ने सही से फार्म नहीं भरा, तो कुछ नहीं मिलेगा।

अब सभी लोग खड़े हो जाइए। हम सबको विकसित भारत बनाना है, भारत को आगे बढ़ाना है, देश को मजबूत करना है, मोदी जी को मजबूत करना है, उसका संकल्प लेना है। इसलिए सभी लोग खड़े हो जाइए। अपने हाथ खड़े करिए और कहिए कि हम विकसित भारत बनाने की प्रतिज्ञा लेते हैं।

हम शपथ लेते हैं कि भारत को वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे। गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे। देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे। भारत की एकता को सुदृढ़ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे। एक नागरिक होने के नाते मैं यह कर्तव्य निभाऊंगा। जय हिन्द।

———